RAJYA SABHA

Thursday, the 22 nd December 1994 1st Pnitsa, 1916 (Sitka)

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman m the Chair.

SHRJ S. JAIPAL REDDY : Sir, we would ike to know whether Mr. Arjun Singh has [1] from the Cabinet We tfoiild like o know as to what is happening to the Go-ernment __*(Interruptions)*....

SHRIMATI JAYANTHI NATRA.TAN : iir, this is Question Hour. Let the Question lour continue . .. .*(Interruptions)*....

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, this , Question I'ou . . . .*(Interruptions)*....

SHRI E. BALANANDAN : Sir, we ould like to know how many Ministers have signed from the Council of Ministers. The ;wspapers have reported that ___*(Inter-**rptiom)**....*

SHRI S. JAIPAL REDDY : We don't low who the Ministers are. We don't know IO are not Ministers, who hive resigned d who have not resigned. The Govern-int is complelely paralysed . . . .*(Intervup-•ns)*__

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सभापति जी से, यह जानना चाहता हूं कि श्री ए. के. एंटोनी इस्तीफे का क्या हुआ ? श्री ए. के. एंटोनी के तीफे का क्या हुआ, एक सप्ताह हो गया है ? र अर्जुन सिंह जी का इस्तीफा आ गया है **(व्यवधान)**...

ा. मुरली मनोहर जोशी : सभापति जी, शर को लकवा मार गया है **(व्यवधान)**

1R. CHAIRMAN : Let the Question Hour tinue ***... .(Interruptions)....***

HRIE. BALANANDAN : What happened Vlr. Arjun Singh ? Has he resigned ? want to know whether he has resigned 1 the cabinet ? __*(Interruptions)* ___

*RT SIKANDER BAKHT : Why don't Council of Ministers resign *en masse* ? ***.(Interruptions)*** .....

IR1 S. JAIPAL REDDY : We want Government to resign *en masse.* The ;-M/F(n)210RSS—1

Government is going in pieces ------ *(Inter ruptions)*___ We want the Government to go in one block ... *.(Interruption)*....

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सभापति जी, क्या हो रहा है, आखिर इस सदन को जानकारी होनी चाहिए ? क्या हो रहा है, कुछ जानकारी होनी चाहिए ...**(व्यवधान)**...

श्री जनार्दन वादव : सभापति जी, जो दोषी पाए गए हैं, उनको बचाने के लिए ...**(व्यवधान)**...

SHRI SIKANDER BAKHT : No body seems to be interested ***...(Interruptions)...*** No action is taken on the corrupt *(Interruptions)*.... They cannot run the country like this ***....(Interruptions)....*** The guilty must be punished .... *(Interruptions)* ....

MR. CHAIRMAN : I cannot go on like this with the Question Hour _____ *(Inter ruptions)* .... I adjourn the House till 12.00 noon.

I The House then adjourned at six minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at two minutes past twelve of the clock, Mr**.** Chairman in the Chair.

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करना

*221. **श्री दिग्विजय सिंह** :

श्री अनन्तराम जायसवाल :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के नेपथ्य में अहम भूमिका निभाने वाले मूखबिरों को दिये गये आश्वासनों को पूरा करने के अलावा उनके जान-माल की रक्षा करने का विचार रखती है :

(ख) यदि हां, तो इलाज आदि के लिए अस्पताल में भरती मुखबिरों पर लगातार जान-लेवा हमले से उन्हें सुरक्षा प्रदान करने तथा उनके परिवार के सदस्यों की रक्षा करने हेतु, कोई कदम न उठाये जाने के क्या कारण है ।

और

(ग) जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को कुचलने, वहां शांति बहाल करने तथा राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू करने में सरकार को कितनी सफलता मिली है ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी) : (क) से (ग) सरकार को उन विविधिलियनों की जान व माल के लिए उत्पन्न खतरे की जानकारी है जिनके बारे में आतंकवादी यह समझते हैं कि वे उनके साथ सहयोग नहीं करते तथा उनमें वे विविधिलियन भी शामिल हैं जिन्हें उन्होंने "मुखबिरों" की संज्ञा दी हुई है । सरकार का प्रयास एक ऐसा माहौल तैयार करने का है जिसमें राज्य के सभी लोग सुरक्षित महसूस कर सकें ।

आतंकवादियों पर लगातार दबाव बनाए रखा गया है, उन्हें बाहर खदेड़ने और उनकी गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए चलाए गए अभियानों को पूरजोर ढंग से जारी रखा गया है और अस्पतालों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है । यद्यपि, आतंकवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर हिंसा और बन्दूक का भय बनाए रखने के लिए प्रयास किए गए हैं, फिर भी आतंकवादियों के प्रति जनता के रवैये सहित स्थिति में बदलाव आया है तथा आतंकवादियों के हौंसलों में कमी आई है तथा उनमें अव्यवस्था फैली हुई है ।

सरकार का विचार आतंकवादियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए रखने का है तथा इनके साथ-साथ सामान्य स्थिति बनाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों और राजनैतिक प्रक्रिया को पुनः सक्रिय करने को बढ़ावा देने, जनता की भागीदारी के द्वारा विकास के कार्यों को तेज करने और स्थानीय प्रशासन को पुनः मजबूत बनाने के प्रयास जारी रखना है ।

1995 में विधान सभाओं के चुनाव

*222. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1995 में किन-किन राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव होने हैं ;

(ख) क्या निर्वाचन आयोग ने इसके लिए फोटो पहचान-पत्र की शर्त रखी है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में विभिन्न राज्यों तथा केन्द्रीय सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) बिहार, त्रिपुरा, गुजरात, उड़ीसा, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश राज्यों में और जम्मू-कश्मीर राज्य में भी, जहां राष्ट्रपति शासन के विस्तार किए जाने की वर्तमान अवधि 9-3-1995 तक विधिमान्य है, नई विधान सभाएं गठित किए जाने के लिए साधारण निर्वाचन वर्ष 1995 में होने हैं ।

(ख) जी, हां ।

(ग) राज्य सरकारें, फोटो पहचान-पत्र जारी करने के लिए सिद्धांत रूप से, सहमत हो गई हैं और उन्होंने वित्तीय और व्यावहारिक कठिनाइयों के रहते हुए भी, निर्वाचन आयोग के निर्देशों को कार्यान्वित करने का प्रस्ताव किया है । केन्द्रीय सरकार फोटो पहचान पत्रों के जारी किए जाने पर राज्यों द्वारा उपगत किए जाने वाले कुल व्यय के 50% की प्रतिपूर्ति करने के लिए सहमत है ।

Decontrol of Industries using Agricultural Produce as Raw Material

223 VI SHRI BHUPINDER SINGH MANN : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

Justiies. which use agricultural ice as their raw materials or their pro-bting used as input in agriculture are ;et to be decontrolled;

(b) the reasons for keeping them under control, alorigv ith the details of such controls;

(c) by wheu these are expected to be de-controlled ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT. KRISHNA SAHI)

(a) and (b) : Industries based on agri-culture for simply of raw materials still under licensing includes sugar, cigars, cigarettes and alcoholic drinks. The industries who